



अनन्य
पांडे ने राजीव सबका
ध्यान, लोगोंने...
पेज 10 पर



राष्ट्रीय नवीन मेल

डालटनगंज (मेदिनीनगर) एवं रांची से एक साथ प्रकाशित

● वर्ष-29 ● अंक-206 ● पृष्ठ-12 ● मूल्य ₹ 2.00

NEWS इन ब्रीफ

मुख्यमंत्री ने अंतर्राष्ट्रीय नर्स दिवस की दी शुभकामनाएं

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने अंतर्राष्ट्रीय नर्स दिवस की शुभकामनाएं दी हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वास्थ्य क्षेत्र में हमें आधिकारिक पूर्व योगदान देने वाले, समर्पण और सेवा की मिसाल देश के नर्स समूह को छोरों शुभकामनाएं और जोहार।

अधिकारियों की कर्मी

झेल रहा झारखंड

रांची। झारखंड आईएस-आईएस अफसरों की कर्मी झेल रहा है। राज्य प्रशासन के कई अपर पद वाले तो खाली हैं या पिर प्रभार में चल रहे हैं। ऐसे में राज्य प्रशासनिक ढांचा प्रभावित हो रहा है। कई विभागों में महत्वपूर्ण

परियोजनाओं की गति नहीं मिल पा रही है। कई आईएस अफसर ऐसे हैं, जो एक साथ कई विभागों का कामकाज देख रहे हैं। राज्य के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन

प्रधानमंत्री को पढ़ लिखकर राज्य में आईएस अफसरों की कमी से अवगत कराया था।

उद्धोने राज्य सरकार से एनओसी (नो ऑफिशियल सर्टिफिकेट) लिए बैरे केंद्र द्वारा आईएस अफसरों की सेवा सीधे केंद्रीय तैनाती पर भेजे जाने के नियम लागू करने के प्रस्ताव पर विरोध जताया था।

आईएस-आईएस संर्वाध को मिलकर राज्य में कुल 375 पद हैं, जिनमें से 88 पद खाली पड़े हैं। झारखंड कैडर के 18 सीनियर आईएस और 22 आईएस अमाले कुछ वर्षों के लिए केंद्रीय तैनाती पाए हैं।

आईएस के 224 पद हैं, जिनमें केवल 170 अधिकारी ही कार्यरत हैं। इस तरह 54 पद खाली पड़े हैं। दो आईएस पूजा सिंघल और छविरंजन मनी लान्ड्रिंग मामले में जेल में हैं।

महिला जूनियर एशिया कप-2023 के लिए चयन

रांची। किसी के सिसे पिता

का साथ बचपन में उठ गया तो किसी के मां-पिता ने दिहानी मजदूरी की। किसी ने सपने को जमीन पर उतारने के लिए खुद खेतों में काम किया। संधंक की ये केवलोंग झारखंड के

सिमेंगा जिले की उन तीन बेटियों की हैं, जिनका चयन महिला जूनियर एशिया कप-2023 के लिए भारतीय टीम में हूँआ है। इनके नाम हैं-दीपिका, रोपनी और महिमा। हाँकी के मैदान तक पहुँचने और वहां अपनी कामियत साकृत करने के लिए तीनों को बेदर विषय हालात से गुजरना पड़ा है। दीपिका तथा रोपनी- इन दोनों के पिता का बहुत पहले निधन हो चुका है। उनके परिवार वालों ने उस तरह मजदूरी कर खिलाड़ी बेटियों के सपनों को न सिर्फ जिंदा रखा, बल्कि उसे हासिल कराने में हर सभव योगदान दिया।

दीपिका सोरेंग लिंके के केरसई प्रॉबंड के करंगायुडी सेमरलोटों की रहने वाली हैं। दीपिका जब छाती थीं तब ही उनके पिता दानियल सोरेंग की हत्या हो गई थी। इसके बाद बेबस मां फ्रिस्का सोरेंग ने राऊरकेला में दिहानी मजदूरी कर अपनी संतानों का परवारिया की।

दीपिका सोरेंग लिंके के प्रति झुकाव को देखते हुए उन्हें इस दिशा में अगे बढ़ाने के लिए जी जान लगा दी। रोपनी की कहानी भी कुछ ऐसी ही है।

उसके पिता रात माझी का भी निधन हो गया है। रोपनी को इस मुकाम तक पहुँचने से उसकी मां और घर के अन्य सदस्यों का अहम योगदान रहा है। महिमा भरे ही आलीपियन सलीमी की बहन है, लेकिन घर के माली हालात बेदर रहा है। महिमा भरे ही आलीपियन सलीमी की बहन है, लेकिन घर के माली हालात बेदर रहा है।

रांची। किसी के सिसे पिता

का साथ बचपन में उठ गया तो किसी के मां-पिता ने दिहानी मजदूरी की। किसी ने सपने को जमीन पर उतारने के लिए खुद खेतों में काम किया। संधंक की ये केवलोंग झारखंड के

सिमेंगा जिले की उन तीन बेटियों की हैं, जिनका चयन महिला जूनियर एशिया कप-2023 के लिए भारतीय टीम में हूँआ है। इनके नाम हैं-दीपिका, रोपनी और महिमा। हाँकी के मैदान तक पहुँचने और वहां अपनी कामियत साकृत करने के लिए तीनों को बेदर विषय हालात से गुजरना पड़ा है। दीपिका तथा रोपनी- इन दोनों के पिता का बहुत पहले निधन हो चुका है। उनके परिवार वालों ने उस तरह मजदूरी कर खिलाड़ी बेटियों के सपनों को न सिर्फ जिंदा रखा, बल्कि उसे हासिल कराने में हर सभव योगदान दिया।

दीपिका सोरेंग लिंके के केरसई प्रॉबंड के करंगायुडी सेमरलोटों की रहने वाली हैं। दीपिका जब छाती थीं तब ही उनके पिता दानियल सोरेंग की हत्या हो गई थी। इसके बाद बेबस मां फ्रिस्का सोरेंग ने राऊरकेला में दिहानी मजदूरी कर अपनी संतानों का परवारिया की।

दीपिका सोरेंग लिंके के प्रति झुकाव को देखते हुए उन्हें इस दिशा में अगे बढ़ाने के लिए जी जान लगा दी। रोपनी की कहानी भी कुछ ऐसी ही है।

उसके पिता रात माझी का भी निधन हो गया है। रोपनी को इस मुकाम तक पहुँचने से उसकी मां और घर के अन्य सदस्यों का अहम योगदान रहा है। महिमा भरे ही आलीपियन सलीमी की बहन है, लेकिन घर के माली हालात बेदर रहा है। महिमा भरे ही आलीपियन सलीमी की बहन है, लेकिन घर के माली हालात बेदर रहा है।

रांची। किसी के सिसे पिता

का साथ बचपन में उठ गया तो किसी के मां-पिता ने दिहानी मजदूरी की। किसी ने सपने को जमीन पर उतारने के लिए खुद खेतों में काम किया। संधंक की ये केवलोंग झारखंड के

सिमेंगा जिले की उन तीन बेटियों की हैं, जिनका चयन महिला जूनियर एशिया कप-2023 के लिए भारतीय टीम में हूँआ है। इनके नाम हैं-दीपिका, रोपनी और महिमा। हाँकी के मैदान तक पहुँचने और वहां अपनी कामियत साकृत करने के लिए तीनों को बेदर विषय हालात से गुजरना पड़ा है। दीपिका तथा रोपनी- इन दोनों के पिता का बहुत पहले निधन हो चुका है। उनके परिवार वालों ने उस तरह मजदूरी कर खिलाड़ी बेटियों के सपनों को न सिर्फ जिंदा रखा, बल्कि उसे हासिल कराने में हर सभव योगदान दिया।

दीपिका सोरेंग लिंके के केरसई प्रॉबंड के करंगायुडी सेमरलोटों की रहने वाली हैं। दीपिका जब छाती थीं तब ही उनके पिता दानियल सोरेंग की हत्या हो गई थी। इसके बाद बेबस मां फ्रिस्का सोरेंग ने राऊरकेला में दिहानी मजदूरी कर अपनी संतानों का परवारिया की।

दीपिका सोरेंग लिंके के प्रति झुकाव को देखते हुए उन्हें इस दिशा में अगे बढ़ाने के लिए जी जान लगा दी। रोपनी की कहानी भी कुछ ऐसी ही है।

उसके पिता रात माझी का भी निधन हो गया है। रोपनी को इस मुकाम तक पहुँचने से उसकी मां और घर के अन्य सदस्यों का अहम योगदान रहा है। महिमा भरे ही आलीपियन सलीमी की बहन है, लेकिन घर के माली हालात बेदर रहा है। महिमा भरे ही आलीपियन सलीमी की बहन है, लेकिन घर के माली हालात बेदर रहा है।

रांची। किसी के सिसे पिता

का साथ बचपन में उठ गया तो किसी के मां-पिता ने दिहानी मजदूरी की। किसी ने सपने को जमीन पर उतारने के लिए खुद खेतों में काम किया। संधंक की ये केवलोंग झारखंड के

सिमेंगा जिले की उन तीन बेटियों की हैं, जिनका चयन महिला जूनियर एशिया कप-2023 के लिए भारतीय टीम में हूँआ है। इनके नाम हैं-दीपिका, रोपनी और महिमा। हाँकी के मैदान तक पहुँचने और वहां अपनी कामियत साकृत करने के लिए तीनों को बेदर विषय हालात से गुजरना पड़ा है। दीपिका तथा रोपनी- इन दोनों के पिता का बहुत पहले निधन हो चुका है। उनके परिवार वालों ने उस तरह मजदूरी कर खिलाड़ी बेटियों के सपनों को न सिर्फ जिंदा रखा, बल्कि उसे हासिल कराने में हर सभव योगदान दिया।

दीपिका सोरेंग लिंके के केरसई प्रॉबंड के करंगायुडी सेमरलोटों की रहने वाली हैं। दीपिका जब छाती थीं तब ही उनके पिता दानियल सोरेंग की हत्या हो गई थी। इसके बाद बेबस मां फ्रिस्का सोरेंग ने राऊरकेला में दिहानी मजदूरी कर अपनी संतानों का परवारिया की।

दीपिका सोरेंग लिंके के प्रति झुकाव को देखते हुए उन्हें इस दिशा में अगे बढ़ाने के लिए जी जान लगा दी। रोपनी की कहानी भी कुछ ऐसी ही है।

उसके पिता रात माझी का भी निधन हो गया है। रोपनी को इस मुकाम तक पहुँचने से उसकी मां और घर के अन्य सदस्यों का अहम योगदान रहा है। महिमा भरे ही आलीपियन सलीमी की बहन है, लेकिन घर के माली हालात बेदर रहा है। महिमा भरे ही आलीपियन सलीमी की बहन है, लेकिन घर के माली हालात बेदर रहा है।

रांची। किसी के सिसे पिता

का साथ बचपन में उठ गया तो किसी के मां-पिता ने दिहानी मजदूरी की। किसी ने सपने को जमीन पर उतारने के लिए खुद खेतों में काम किया। संधंक की ये केवलोंग झारखंड के

</div

लातेहार प्रखंड मुख्यालय से दस किमी दूर डेमू पंचायत के सरकारी स्कूल का हाल

94 विद्यार्थी नामांकित, शिक्षक मात्र दो; वह भी नदारद

नवीन मेल संवाददाता। लातेहार

सरकार के लाख प्रवास के बावजूद भी स्कूलों में छात्रों की संख्या जनक उपस्थिति नहीं हो पारही है। सरकारी स्कूलों में लेकर पोषाक, जूता व किताबें आदि दी जाती है। बावजूद इसके स्कूलों में बच्चे नहीं पहुंच रहे हैं। इसका एक प्रमुख कारण स्कूलों में शिक्षकों का नहीं जाना है और पढ़ाइ के प्रति उनकी रुचि नहीं होना बताया जा रहा है। ऐसा नहीं है कि सभी सरकारी स्कूलों में ऐसी बात है। जिसे केंद्र सरकारी स्कूल तो अपनी एक अन्तर पहचान व आर्थ स्थापित की है। मगर आज बहार कर रहे हैं लातेहार के स्कूल प्रखंड से दस किंतुपार डेमू पंचायत के उत्कर्षित प्रथमिक विद्यालय



(लातेहार, दक्षिण) की। यहां तक के लिए मात्र दो शिक्षक। उसमें भी एक पांचवीं तक की पढ़ाई होती है। इस स्कूल में कुल 94 बच्चे नामांकित हैं। मगर शिक्षक प्रिसिपल को मिलाकर मात्र दो। इससे सहज मात्र पांच विद्यार्थी ही स्कूल आये थे। पृछे जाने पर एक छात्र ने बताया कि स्कूल में वह संभव नहीं हो पाता है। इस कारण प्रधानाध्यापक ने उन्हें उनके घर बुला लिया था। प्रधानाध्यापक घर पर ही छात्रवृत्ति का फार्म अपलोड कर रखे हैं। स्कूल में मात्र पांच छात्रों के उपस्थित होने के संबंध में पृछे जाने पर उन्होंने कहा कि रसेश्वा के द्वारा बताया गया कि आज स्कूल बंद है। इस कारण छात्र घर लौट गये।

सहायक अध्यापक सुशील सिंह ही हैं। उनके भी स्कूल आमे का समय निर्धारित नहीं है। स्कूल में मध्याह्न भोजन नहीं मिलता है। आज भी मध्याह्न भोजन नहीं बना है।

व्या कहते हैं सहायक अध्यापक: अध्यापक सुशील सिंह ने बताया कि इन दिनों बीआरसी से बच्चों की छात्रवृत्ति फार्म व सुची आदि भेजने का कानून दबाव है। स्कूल में वह संभव नहीं हो पाता है। इस कारण प्रधानाध्यापक ने उन्हें उनके घर बुला लिया था। प्रधानाध्यापक घर पर ही छात्रवृत्ति का फार्म अपलोड कर रखे हैं। स्कूल में मात्र पांच छात्रों के उपस्थित होने के संबंध में पृछे जाने पर उन्होंने कहा कि रसेश्वा के द्वारा बताया गया कि आज स्कूल बंद है। इस कारण छात्र घर लौट गये।

NEWS इन ब्रीफ

एमडीएम: बावल घोटाले की जांच की मांग उठाई

मनिका। राष्ट्रीय मानवाधिकारी संगठन के लातेहार जिला अध्यक्ष संघीय राम ने प्रधान सचिव स्कूली विद्या व साकरता विभाग रांची को पत्र लिखकर मनिका के सिंजो मध्य विद्यालय में मध्याह्न भोजन के लिए लाए गए 70 विद्यार्थी चावल घोटाले के मामले को शिक्षा विभाग द्वारा दबाने का आरोप लगाते हुए मामले की निष्काश जांच कर देखियोंपर कारबाई की मांग की है। संदेश राम ने कहा है कि राष्ट्रीय मानवाधिकारी संगठन की टीम ने विद्यालय में जाका मामले की जांच की। जहां पर 70 विद्यार्थी चावल के साथ साथ 87531 रुपये 90 पैसे की घोटाला समाने आया था। इसकी विभागीय जांच के लिए कमेटी गठित की गई थी, परन्तु शिक्षा विभाग में अधिकारियों की मिलीभांत से मामले की लीपाली करने की गई।

डीलर की मुखिया से की शिकायत

इटखोरी(चतरा)। जिले के इटखोरी प्रखंड के धनखोरी पंचायत अंतर्गत बैठक के धनखोरी के दर्जों रामान कार्डधारियों ने डीलर सुरेंद्र सिंह पर अपने कारण देने का आरोप लगाया है। अंतर्गत है कि डीलर द्वारा कार्डधारियों के राशन में 1 से 2 किलो की कटौती आयी है। इसकी विकायारी कार्डधारियों ने स्थानीय मुखिया रोना देवी से की है। मुखिया ने बीड़ीओं अनवेषा आना को जांच कर कारबाई करने की मांग की है। मौके पर लखन खुड़ा, गोंद खुड़ा, संबीन खातून, करीम, मों पुजाहिर, सबना खातून, मातन खुड़ा, संजू देवी, कलै देवी, गोंद देवी, सीता देवी, जितनी आदि शामिल हैं।

30 खाद्य दुकानों का किया गया रजिस्ट्रेशन

गिरदौर (चतरा)। गिरदौर प्रखंड कार्यालय सभाराम में शुक्रवार को अनुमंडल कार्यालय सिमिया के तत्वधन में खाद्य दुकानों के रजिस्ट्रेशन को लेकर शिक्षिकारी आयोजित की गई। इसमें मुख्य रूप से बीड़ीओं संजूली कुमारी रामेश रामान की विद्यालय एवं जिला विभाग के लिए चावल काट काट रही है। संविता देवी प्रभारी प्रधानाध्यापिका साधाना कुमारी पर मनमाने तीरकी से पदखंड के लिए आरोप लगाते हुए जारी रखा गया है। इसके बाद रात में ही डांबर के नहीं रहने के कारण लेन टैक्सीशियर निरजन कुमार को गार्ड ममता कुमारी द्वारा सूचना दी गई। सूचना मिलने ही लैब ईमेलिंग निरजन कुमार राम राम में ही विद्यालय पहुंच कर आया आवास में सभी का इलाज किया। उन्हें हाईस्पिन से कोरा बार बार कही ताकि इलाज अच्छे से हो सके। वार्डन ने इस बात को सुधार के लिए टाल दिया और निरजन कुमार के द्वारा ओआरएस पिला कर रुक्ख दिया। वर्षा कुमारी ने 10 सुमंती कुमारी कलास 6 पिता कृष्ण गंगू जमुआ, (9) यायती कुमारी कलास 11 पिता हीरू उरांव दुंडा हुँदू (बरियात), (10) सुमंती कुमारी कलास 6 पिता लिमलेश कुमार ग्राम बन्दरलारिया शामिल हैं।

फरवरी 2022 में ऑपरेशन करवाई।

फरवरी 2022 में

झारखण्ड में मनमाने तरीके से भूजल के दोहन पर लगेगी रोक, कानून जल्द

सरकार इस पर लगायेगी कई तरह की पाबंदियां

नवीन मेल संवाददाता। रांची झारखण्ड में बारिश का पानी 85 फीसदी बेकर वह जाने और बोरिंग के जरिए अंतर्भुत ग्राउंड वाटर के दोहन के देखते हुए जलसंसाधन विभाग जल्द ही ग्राउंड वाटर का कानून बनाने जा रहा है। इसकी प्रक्रिया तेज हो गयी है। इसके लिए सरकार अलग से ग्राउंड वाटर बोर्ड का गठन करेगी। सरकार ग्राउंड वाटर दोहन रोकने के लिए कई तरह की पाबंदियां लगा सकती हैं। इसके बाद न तो ग्राउंड वाटर और न ही सरकार वाटर का मनमाने तरीके से दोहन हो सकेगा।

इस कारण हीड़ सरकार सचेत : सेट्रल ग्राउंड वाटर बोर्ड के अनुसार, झारखण्ड में तेजी से गिरते ग्राउंड वाटर पर रिपोर्ट झारखण्ड धनबाद में 31.35 प्रतिशत, सरकार को दरमा में 66.10 प्रतिशत तक वर्ष 2020 की तुलना में 2022 में ग्राउंड वाटर की निकासी 2.21 प्रतिशत बढ़ी है। वर्ष 2020 में



ग्राउंड वाटर की निकासी 29.13 प्रतिशत रही, जबकि 2022 में बढ़कर वर्ष 31.35 प्रतिशत तक हो गयी। धनबाद में 75 प्रतिशत, कोडरमा में 66.10 प्रतिशत तक दोहन बढ़ा है। वहीं पश्चिम सिंहभूम की विशित अच्छी है, यहां मात्र 9.93 प्रतिशत ही ग्राउंड वाटर का

दोहन हुआ है। ग्राउंड वाटर और वाटर पांसली के लिए कब क्या हुआ : 2011 में जल नीति बनायी गयी, जो वाटर टैक्स से संबंधित थी। इसमें ग्राउंड वाटर को लेकर जिक्र नहीं था। 2015 में जल आयोजन का गठन हुआ, मगर इसमें कोई ठोस काम नहीं हो सका। देश

के 14 राज्य में ही राज्य वाटर बोर्ड है, झारखण्ड सहित शेष राज्य में नहीं है। अब राज्य में राज्य वाटर बोर्ड के गठन का प्रस्ताव केंद्र को भेजा गया है, इसमें ग्राउंड वाटर का लेकर जिक्र नहीं था। 2015 में जल बोर्ड ने जल रोकने के लिए कई तरह की पाबंदियां लगा सकती हैं।

अब शशि शेखर ने माउंट लो बुचे ईस्ट में फहराया तिरंगा

अगला लक्ष्य विश्व की सबसे ऊंची चोटी पर फराना लक्ष्य है



नवीन मेल संवाददाता। रांची शशि शेखर ने नेपाल स्थित माउंट लो बुचे ईस्ट में तिरंगा फहराया है। यह 6119 मीटर (20075 फीट) ऊंची चोटी पर लगातार चढ़ाई करते हुए चोटी पर तिरंगा

फहराया। शशि शेखर का अगला लक्ष्य विश्व की सबसे ऊंची चोटी माउंट एवरेस्ट पर तिरंगा फहराना है और उसी की तैयारी करने के लिए उन्होंने माउंट लोबुचे की चढ़ाई की। शशि शेखर माउंट एवरेस्ट के बेस कैप तक पहुंच चुके और आगे कैप 3 तक बेस कैप पूरी करेंगे। आयोजन के सचिव स्वामी भवेशनांद महाराज अपने विचार रखेंगे। स्वामी इत्याकामनांद स्वामान गण प्रस्तुत करेंगे। रांची आयोजन के सचिव स्वामी भवेशनांद महाराज अपने का स्वामान करेंगे। आयोजन तक पहुंच चुके और आगे कैप 3 तक रोटेसन पूरा कर बेस कैप पर शेखर पर चढ़ाने के लिए बेटे विंडी खलने का इंतजार कर रहे हैं। शशि शेखर गोपनीय विधायक डा. लंबोदर महतो के पुरु हैं। इसके पूर्व शशि शेखर 19 हजार फीट पर विश्व माउंट मणिरंग के समिट कैप में भी तिरंगा फहरा चुके हैं। मणिरंग भारत की सबसे ऊंची चोटीयों में से एक है। इसकी कुल ऊंचाई 21631 फीट है।

रामकृष्ण मिशन आश्रम का स्थापना दिवस समारोह हाज

रांची। रामकृष्ण मिशन आश्रम, मोराहावादी में शनिवार को स्थापना दिवस समारोह का आयोजन किया जाएगा। आश्रम में सुबह वैदिक मन्त्रोच्चार के साथ पूजा होगी। शाम में सभा सभाकार आयोजन किया जाएगा। समारोह में रामकृष्ण मिशन आश्रम, भोपाल के सचिव स्वामी नियंत्रणनांद महाराज अपने विचार रखेंगे। स्वामी इत्याकामनांद द्वारा गण प्रस्तुत करेंगे। रांची आयोजन के सचिव स्वामी भवेशनांद महाराज अपने विचार के बेस कैप तक पहुंच चुके और आगे कैप 3 तक रोटेसन पूरा कर बेस कैप पर शेखर पर चढ़ाने के लिए बेटे विंडी खलने का इंतजार कर रहे हैं। शशि शेखर गोपनीय विधायक डा. लंबोदर महतो के पुरु हैं। इसके पूर्व शशि शेखर 19 हजार फीट पर विश्व माउंट मणिरंग के समिट कैप में भी तिरंगा फहरा चुके हैं। मणिरंग भारत की सबसे ऊंची चोटीयों में से एक है। इसकी कुल ऊंचाई 21631 फीट है।

सरला बिरला ने एआईएसएससीई - 2023 में रचा इतिहास

ऋतिका खैतान 98.6 प्रतिशत के साथ स्कूल बनी टॉपर



नवीन मेल संवाददाता। रांची नये बांले में ऐसी होगी मर्तियों की ठाट • परिसर में स्वीमिंग पुल, जिम, लाउंज और चॉलीवाल कोर्ट, ओपन आयोजन के लिए उन्होंने तिरंगा की चढ़ाई की।

• सभी बांले द्वालेस और एक डिजाइन के हैं।

</div

